RAN-2401000106020521

RAN-2401000106020521

T.Y.B.A. (Sem. - VI) Examination March - 2026

Hindi - Core Course (Paper - XVII) NON NEP (Set - 2)

RITI KALIN KAVITA (Bihari Satsai Sar)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्रश्न 1. निम्नलिखित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए। **10**

1) बिहारी किस युग के कवि हैं?
A. आदिकाल B. भक्तिकाल C. रीतिकाल D. आधुनिक काल

2) बिहारी किस राजा के राज कवि थे?
A. राजा जयसिंह B. महाराणा प्रताप C. राजा शिवाजी D. राजा भयसिंह

3) ''क़हत, नटत..... भरै भुवन में करै, नैनन ही सो बात ?'' – इस दोहे में क्या हें?
A. भक्ति भाव B. प्रेम चेष्टा C. वीर रस D. ये सभी

4) निम्न में से बिहारी क्या हैं?
A. कहानीकार B. उपन्यासकार C. आलोचक D. मुक्तककार

5) ''नहीं पराग, नहीं मधुर मधु .....'' – दोहे में क्या हैं?
A. राजा का संदेश B. महल का वर्णन C. बाग का वर्णन D. सभी

प्रश्न 2. हिन्दी सतसई परंपरा में 'बिहारी सतसई' का स्थान निर्धारित कीजिए । **13**

अथवा

प्रश्न 2. सफल मुक्तककार के रूप में कवि बिहारी का मूल्यांकन कीजिए । **13**

प्रश्न 3. कवि बिहारी की बहुज्ञता को स्पष्ट कीजिए । **13**

अथवा

प्रश्न 3. 'बिहारी सतसई' में चित्रित प्रकृति का वर्णन कीजिए । **13**

प्रश्न 4.(अ) टिप्पणी लिखिए ।

(1) रीतिकाल का नामकरण । **7**

अथवा

(2) बिहारी की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए । **7**

प्रश्न 4.(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

''क़हत, नटत, रीझत, खीजत, मिलत, खिलत, लजियत । **7**
भरै भुवन में करै, नैनन ही सो बात ।।''

अथवा

''नहीं पराग, नहीं मधुर मधु, नहीं विकास इहि काल । **7**
अलि कली ही सो बंध्यों, आगे कौन हवाल ।।''